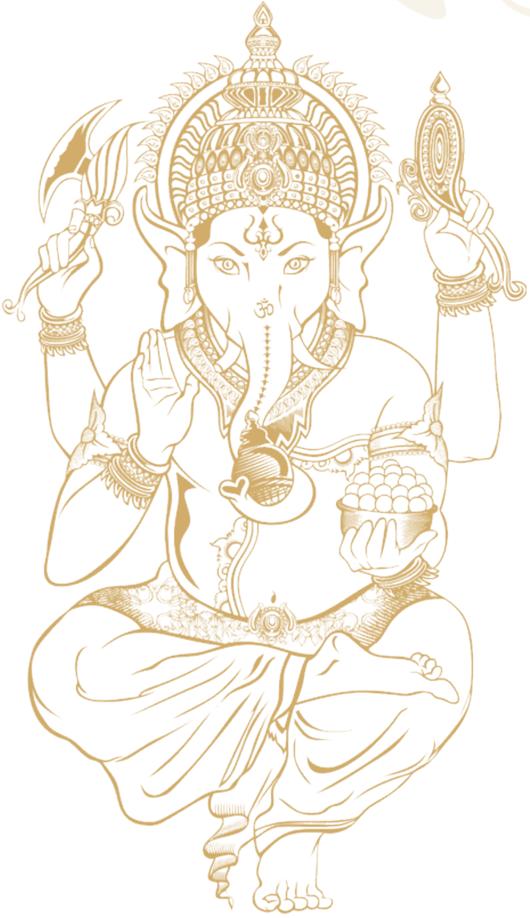

Jasmeen

24 Sep 2003

05:00 AM

Simla

Model: web-freekundliweb

Order No: 121698802

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**23-24/09/2003**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**05:00:00 घंटे**
इष्ट	57:05:24 घटी
स्थान	**Simla**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:06:00 उत्तर
रेखांश	77:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:38:40 घंटे
वेलान्तर	00:07:24 घंटे
साम्पातिक काल	04:48:16 घंटे
सूर्योदय	06:09:50 घंटे
सूर्यास्त	18:17:27 घंटे
दिनमान	12:07:37 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	06:36:49 कन्या
लग्न के अंश	20:37:30 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	साध्य
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मू-मुक्ता
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	20:37:30	310:15:06	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			कन्या	06:36:49	00:58:45	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	सम राशि
चंद्र			सिंह	08:04:06	13:51:36	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
मंगल	व		कुंभ	06:17:20	00:02:42	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध			सिंह	19:20:57	00:34:32	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
गुरु			सिंह	11:59:50	00:12:27	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	16:25:45	01:14:37	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	नीच राशि
शनि			मिथु	18:24:07	00:03:24	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	27:49:27	00:08:18	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	27:49:27	00:08:18	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	05:47:31	00:01:57	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	---
नेप	व		मक	16:43:13	00:00:54	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	23:30:42	00:00:50	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			वृष	19:33:11	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:19

लग्न-चलित

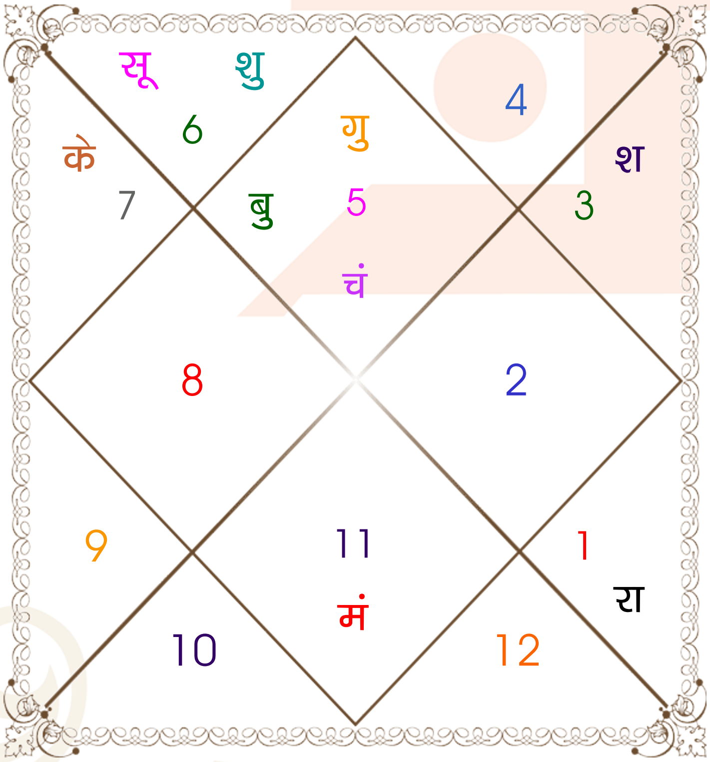

चन्द्र कुंडली

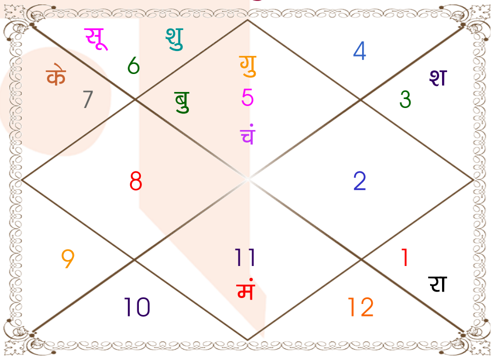

नवमांश कुंडली

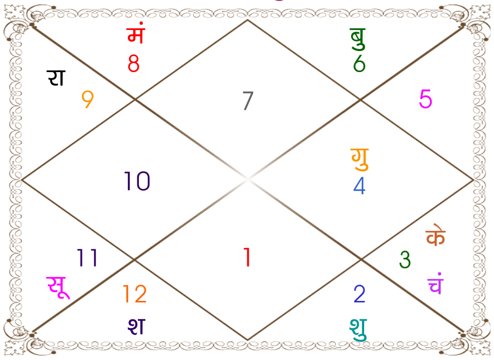

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 9 मास 5 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
24/09/2003	**29/06/2006**	**29/06/2026**	**29/06/2032**	**29/06/2042**
29/06/2006	**29/06/2026**	**29/06/2032**	**29/06/2042**	**29/06/2049**
00/00/0000	शुक्र 29/10/2009	सूर्य 17/10/2026	चंद्र 29/04/2033	मंगल 25/11/2042
00/00/0000	सूर्य 29/10/2010	चंद्र 18/04/2027	मंगल 28/11/2033	राहु 14/12/2043
00/00/0000	चंद्र 29/06/2012	मंगल 23/08/2027	राहु 30/05/2035	गुरु 19/11/2044
00/00/0000	मंगल 29/08/2013	राहु 17/07/2028	गुरु 28/09/2036	शनि 29/12/2045
00/00/0000	राहु 29/08/2016	गुरु 05/05/2029	शनि 29/04/2038	बुध 26/12/2046
24/09/2003	गुरु 30/04/2019	शनि 17/04/2030	बुध 29/09/2039	केतु 24/05/2047
गुरु 23/05/2004	शनि 29/06/2022	बुध 22/02/2031	केतु 29/04/2040	शुक्र 23/07/2048
शनि 02/07/2005	बुध 29/04/2025	केतु 30/06/2031	शुक्र 29/12/2041	सूर्य 28/11/2048
बुध 29/06/2006	केतु 29/06/2026	शुक्र 29/06/2032	सूर्य 29/06/2042	चंद्र 29/06/2049

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
29/06/2049	**30/06/2067**	**30/06/2083**	**30/06/2102**	**01/07/2119**
30/06/2067	**30/06/2083**	**30/06/2102**	**01/07/2119**	**00/00/0000**
राहु 11/03/2052	गुरु 17/08/2069	शनि 02/07/2086	बुध 26/11/2104	केतु 27/11/2119
गुरु 05/08/2054	शनि 28/02/2072	बुध 11/03/2089	केतु 23/11/2105	शुक्र 26/01/2121
शनि 11/06/2057	बुध 05/06/2074	केतु 20/04/2090	शुक्र 23/09/2108	सूर्य 03/06/2121
बुध 29/12/2059	केतु 12/05/2075	शुक्र 20/06/2093	सूर्य 30/07/2109	चंद्र 02/01/2122
केतु 16/01/2061	शुक्र 10/01/2078	सूर्य 02/06/2094	चंद्र 30/12/2110	मंगल 31/05/2122
शुक्र 16/01/2064	सूर्य 29/10/2078	चंद्र 01/01/2096	मंगल 27/12/2111	राहु 18/06/2123
सूर्य 10/12/2064	चंद्र 28/02/2080	मंगल 09/02/2097	राहु 16/07/2114	गुरु 25/09/2123
चंद्र 11/06/2066	मंगल 03/02/2081	राहु 17/12/2099	गुरु 20/10/2116	00/00/0000
मंगल 30/06/2067	राहु 30/06/2083	गुरु 30/06/2102	शनि 01/07/2119	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 8 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगी।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाली हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करती हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरुप आदेश का पालन करेंगी। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगी तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगी तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगी। आपको एक स्थान से अन्य भीड़ भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करती हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

अपने समझदार पति एवं चुस्त दुरुस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पति एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपने जीवन संगी की मनोवृत्ति को अनुरुप नहीं सह सकेंगी। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य पुरुष को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपने पति को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहती हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगी। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सकी तो आपको अपनी वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगी तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगी। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति की महिला हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखती तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगी। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सकी तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकती हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।